IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

वर्तमान समय में वाहन चालको द्वारा लापरवाही बरतने का सामाजिक अध्ययन जिला ग्वालियर के विशेष संदर्भ में

डॉ. (श्रीमती) साधना तोमर
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
विजयाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मुरार ग्वालियर (म.प्र.)

अनिल कुमार गोयल
शोधार्थी
समाजशास्त्र विभाग
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

वर्तमान समय में ग्वालियर में सड़क यातायात में लापरवाही की घटना देखने को मिल रही है। जो शहर की सड़क सुरक्षा की दृष्टि से अच्छा नहीं है। ग्वालियर के उपनगरों मुरार, लश्कर एवम् ग्वालियर में वाहन चलाते समय वाहन चालकों द्वारा विभिन्न प्रकार की लापरवाही वरती जाती है। जिस कारण से सड़क दुर्घटनाओं में कोई न कोई व्यक्ति शिकार हो जाता है । वाहन चालक वाहन चलाते समय विभिन्न परिस्थितियों में जो सामाजिक, आर्थिक, व्यक्तिगत, होते हैं उस कारण लापरवाही कहते हैं। वाहन चालक वाहन चलाते समय गति अवरोधों का ध्यान न देना, वाहन चलाते समय मोवाइल द्वारा बातचीत करना, ट्रेफिक नियमों की अवहेलना मस्तिष्क में एकाग्रता का अभाव और विभिन्न प्रकार के व्यसन पेय पदार्थ का प्रयोग करना।

ग्वालियर शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग के साथ शहर के अधिकतर इस तरह की घटनाएँ तिराहे, चौराहे एवम् गलियों में आदि हर सड़क पर देखा जाता है। इसके कारण शहर का आम जनमानस में भी सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

मुख्य विन्दु -- परिस्थितियाँ, व्यक्तिगत, मोबाइल, एकाग्रता, समझदारी

शोध-प्रपत्र

"सुरक्षा न केवल एक नारा है बल्कि यह जीवन की एक धारा है"[1]

भारत में प्रति एक मिनट में एक सड़क दुर्घटना होती है और सड़क दुर्घटना में प्रति मिनट में एक मृत्यु होती है। ये आंकड़े अनेक विकसित और विकासशील देशों की तुलना में कह सकते हैं यह तथ्य आत्म संतोष का विषय नहीं हो सकता। सड़क दुर्घटना में हुई प्रत्येक मृत्यु उसके परिवार तथा राष्ट्र के लिये भारी हानि है।

वर्तमान समय में वाहन चालक की लापरवाही सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। जानकारी का अभाव तथा लापरवाही पूर्ण ड्राइविंग के कारण सड़क पर गलतियां होती हैं जिसके कारण सड़क दुर्घटनाऐं होती है 2ः-

स.क्र	कारण	प्रतिशत
1	चालक की गलती	78.0%
2	पैदल चलने वाले की गलती	2.7%
3	साइकिल चालक की गलती	1.2%
4	सड़क की खराब स्थिति	1.2%
5	मोटर वाहन की खराब स्थिति	1.7%
6	मौसम संबंधी परिस्थितियां	1.0%
7	अन्य	14.2%

ग्वालियर के उपनगरों में जनसंख्या का दवाव व संख्या अधिक बढ़ने के कारण बहुत तेजी से बदलाव आ रहा है जिससे सड़क दुर्घटनाएँ दिन प्रतिदिन बढ़ रही है शहर में अधिकतर युवा वर्ग वाहनों के नियमों का अनुसरण नहीं करता है वाहन चलाते समय उत्तदंडता का प्रयोग करना जिसमें अनेक प्रकार की घटनाएँ हो जाती है वाहन चालक को स्थिति के अनुसार वाहनों की गति को नियंत्रित, नियमित व अनुशासित सखें जिससे विभिन्न प्रकार की सड़क संबंधी समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

"सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित विभिन्न समाजशास्त्रियों एवम् सामाजिक कार्यक्रमों में अलग-अलग विचार दिये विज्ञान ने मनुष्य को सुख सुविधा के अनेक साधन उपलब्ध कराये हैं जिससे जीवन सरल और सुगम हो गया है, मगर इसके साथ-साथ वह उतना ही अनिश्चित और असुरक्षित भी हो गया है, यातायात के साधनों में बेतहाशा वृद्धि के कारण सड़क दुर्घटनाओं में भी उतनी ही वृद्धि हुई है। घर के बाहर जा रहा व्यक्ति सकुशल वापस आएगा या नहीं यह विश्वास कोई नहीं दिला सकता। गलती किसी से कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन सड़क पर उसकी कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। दुर्घटनाएँ कही भी, कभी भी घटित हो जाती है। बच्चे, वृद्ध, युवा, स्त्री-पुरुष सब इनकी चपेट में आने रहते है पर हर दुर्घटना के पीछे किसी न किसी की जल्दबाजी या लापरवाही जरूर होती है।"[3]

ग्वालियर शहर में ट्रेफिक कंट्रोल के लिये Traffic Laws Photo Enforced (Intelligent Traffic Management System) को उपयोग किया जा रहा है जो ग्वालियर में वाहनों की का नियंत्रण करने के लिए एवं चालकों को सड़क संकेतांक का पालन कराने के लिये उपयोगी सिद्ध हुई है परन्तु सड़क संबंधी एवं संकेतांकों का उल्लंघन करने में सभी वर्ग के शहरवासियों को शामिल किया गया है जिससे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच जाए। ई-चालान प्रारंभ हुआ जिसमें सड़क पर चलने वालों की लापरवाही की जानकारी मिलती है जो निम्न [4]:-

वर्ष	2020	2021	2022
चालान	36407	55650	73049
समन शुल्क	13890700	22129100	25802000

शहर के प्रमुख चौराहों पर आई.टी.एम.एस. के माध्यम से ई-चालान की व्यवस्था की गई है जो शहर में सड़क लापरवाही को कम करने के लिये सहायक हो रही है।

ग्वालियर शहर में यातायात सप्ताह के द्वारा लोगों को जागरुक करना- ग्वालियर शहर में हेलमेट जागरुकता रैली एवम् सड़क सुरक्षा सप्ताह का प्रारंभ हुआ जिससे शहर में लोग अपने आप को सतर्क और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने उत्तर दायित्वों को पूरा करे।

"शहर में यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों में कोई कमी नहीं आई है, बिना हेलमेट, लापरवाही व तेज रफ्तार वाहन चलाने से 2022 में हुए 2057 सड़क हादसों में 301 लोगों ने जान गवाई। वही 2021 में 1830 सड़क हादसों में 301 लोगों ने जान गवाई थी। ग्वालियर पुलिस आंकडे देखें तो यातायात नियम तोड़ने वाले बढ़े है। 2022 में यातायात और अन्य थानों की पुलिस ने 73 हजार 49 चालान काटकर 2 करोड़ 58 लाख 2 हजार का समन शुल्क वसूला था 2021 में 55 हजार 650 चालानी कारवाई में 2 करोड़ 21 लाख 29 हजार 100 रूपया समन शुल्क वसूला। 2021 के मुकाबले 2022 में 17 हजार 399 चालान ज्यादा काटे गए।"[5]

वर्ष	सडक हादसे	मृतक
2020	1799	316
2021	1830	359
2022	2057	353

ग्वालियर शहर में लेफ्ट टर्न का सड़कों पर महत्वः- ग्वालियर शहर के तिराहे, चौराहे पर लगे ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली में लेफ्ट को नहीं रखा है सिग्नल में लेफ्ट टर्न के ट्रैफिक को रोका जाता है जबकि लेफ्ट टर्न का सिग्नल रह समय हरा ही रहना चाहिए। लेफ्ट टर्न के ट्रैफिक को रेड लाइट पर रोके जाने से स्थिति असमंजस की रहती है। और लेफ्ट टर्न का भी रेड लाईट होने के कारण रूक जाता है। ग्वालियर शहर का के.आर.जी. तिराहा, गोले का मंदिर चौराहा, पद्मा विद्यालय तिराहा, एवं फूलवाग चौराहा इन सभी जगहों पर अधिकतर ट्रेफिक जाम रहता है अधिकतम लेफ्ट टर्न के कारण जाम लगा रहता है जिससे लोगों को आने जाने में परेशानी होती है।

"शहर के तिराहे-चौरोहें पर ट्रैफिक जाम की बड़ीं वजह लेफ्ट टर्न फिर से बड़ाकर उभर रहा ज्यादातर लेफ्ट टर्न पर पीक ऑवर्स में ट्रैफिक रूका रहता है कहीं लेफ्ट टर्न पर दो से चार कतारों में ऑटो-टैम्पों खड़े रहते है तो गुमटो और हाथठेलों ने कब्जा कर रखा है नतीजा मुख्य स्थानों पर थे लेफ्ट टर्न ब्लॉक हो गए है।"[6]

ग्वालियर शहर में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों को जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह बनाया जाता है वर्तमान में शहर की सड़के तकनीकी मय हो चुकी है परंतु सड़कों का सही प्रबंधन न होना ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन एवम् शोधार्थी ने सर्वेक्षण करने पर पाया शहर का बहुत सा युवा वर्ग नशा करके दुपहिया, तीन पहिया, चार पहिया वाहन चलाता है जिससे बहुत सी दुर्घटनाएँ हो जाती है। जिससे विकास की गति मंद होती है और सड़क दुर्घटना के द्वारा जन हानि एवम् धन हानि भी होती है।

ट्रैफिक को नियंत्रण करने के लिये नियमित प्रकार का प्रयोग किये जाते है ये बेरीकेडस अतिक्रमण गोले का मंदिर, फूलबाग चौराहा, पड़ाव चौराहा, के आर जी तिराहा, पाठनकर तिराहा पर लेफ्ट टर्न पर बेरीकेड्स लगे हुए है। लेकिन पुलिस व्यवस्था बनाने के लिये तैयार नहीं है वाहन चालक उस टर्न का खाली छोड़ते नहीं है।

ग्वालियर में ट्रैफिक पुलिस की कमी को पूरा करने के लिए पुलिस बल बढ़ाया गया है लेकिन व्यवस्था पूर्व की तरह बनी है बल बढ़ने के साथ ट्रैफिक पॉइंट भी बढ़ाये गये है ग्वालियर के पश्चिम क्षेत्र में सर्वाधिक ट्रैफिक पॉइंट है। लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ हैं।

ग्वालियर में शोधार्थी ने सर्वेक्षण करने पर पाया की अधिकतर शोध अध्ययन क्षेत्र ग्वालियर के उपनगरों को चुना हो लश्कर, मुरार एवम् ग्वालियर इन तीनों के उपनगरों का सड़क प्रबंधन, रोड़ संकेताक, यू टर्न, लेफ्ट टर्न गति अवरोधक के बारे में लोग कम जानकारी रखते हो या उनकी अवहेलना करते है जिस कारण से सड़क की व्यवस्थाएँ बिगड़ जाती है ट्रैफिक जाम होता है लोग अधिकतर नियमों की अवहेलना करते है जो सड़क सुरक्षा के लिये घातक है।

ग्वालियर में सड़कों का तकनीकी विकास हुआ हो परंतु उनका सही एवम् उचित समय-समय पर देखभाल न होने के कारण अव्यवस्थित स्वरूप दिखाई पड़ता है जिससे कई प्रकार की सड़क दुर्घटनाएँ हो जाती है और विभिन्न राहगीरों की मृत्यु हो जाती है जिससे जीवन उपेक्षित एवम् जटिलतम बन जाता है।

ग्वालियर के विभिन्न उपनगरों में सड़क दुर्घटना के कारण कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिससे सामाजिक, आर्थिक एवम् शारीरिक एवम् मानसिक समस्याएँ होती है। हम सभी समस्याओं में सबसे अधिक जटिल एवम् कढिन आर्थिक समस्या है जिस कारण से सामाजिक एवम् परिवारों का विस्तारिकरण रूक जाता है।

उपसंहार

ग्वालियर शहर में ट्रेफिक नियमों में बहुत से परिवर्तन हुए हैं जो शहर को सुरक्षित सड़क यातायात के लिये जरूरी है। लोगों को समझना होगा, सड़क पर चलते समय लापरवाही उसके व उसके परिवार के लिये घातक हो सकती है जो उसके परिवार को सामाजिक स्थिति में परिवर्तन करा सकती है। सड़क उपयोगकर्ता को हर समय सड़क पर लापरवाही से बचना चाहिए इससे समाज, राष्ट्र स्वयं की रक्षा कर सके। और सड़क यातायात सुरक्षित पूरी हो सके।

संदर्भ सूची -

1. यातायात चिन्ह जो सुरक्षा दें। सडक सुरक्षा संकेतावली और चिन्ह पुस्तिका सडक परिवहन और राज्यमार्ग मंत्रालय भारत सरकार सडक सुरक्षा विभाग परिवहन भवन एक सांसद मार्ग नई दिल्ली -110001 संस्करण - 2015
2 वही पेज नं 80
3. प्रसून-सड़क दुर्घटना पर निबंध 22.06.2016
4 दैनिक भास्कर संस्सकरण ग्वालियर 12.01.2023 पेज नं. 02
5 दैनिक भास्कर संस्सकरण ग्वालियर 10.01.2023 पेज नं. 02
6 दैनिक भास्कर संस्सकरण ग्वालियर 12.01.2023 पेज नं. 02